अंकुर

विद्यालय पत्रिका

२०२१-२२

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रांची संभाग

केन्द्रीय विद्यालय भुरकुंडा,रामगढ

विमोचन तिथि ०७.०५ .२०२२

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रांची संभाग

केन्द्रीय विद्यालय भुरकुंडा, रामगढ

विद्यालय पत्रिका

२०२१-२२

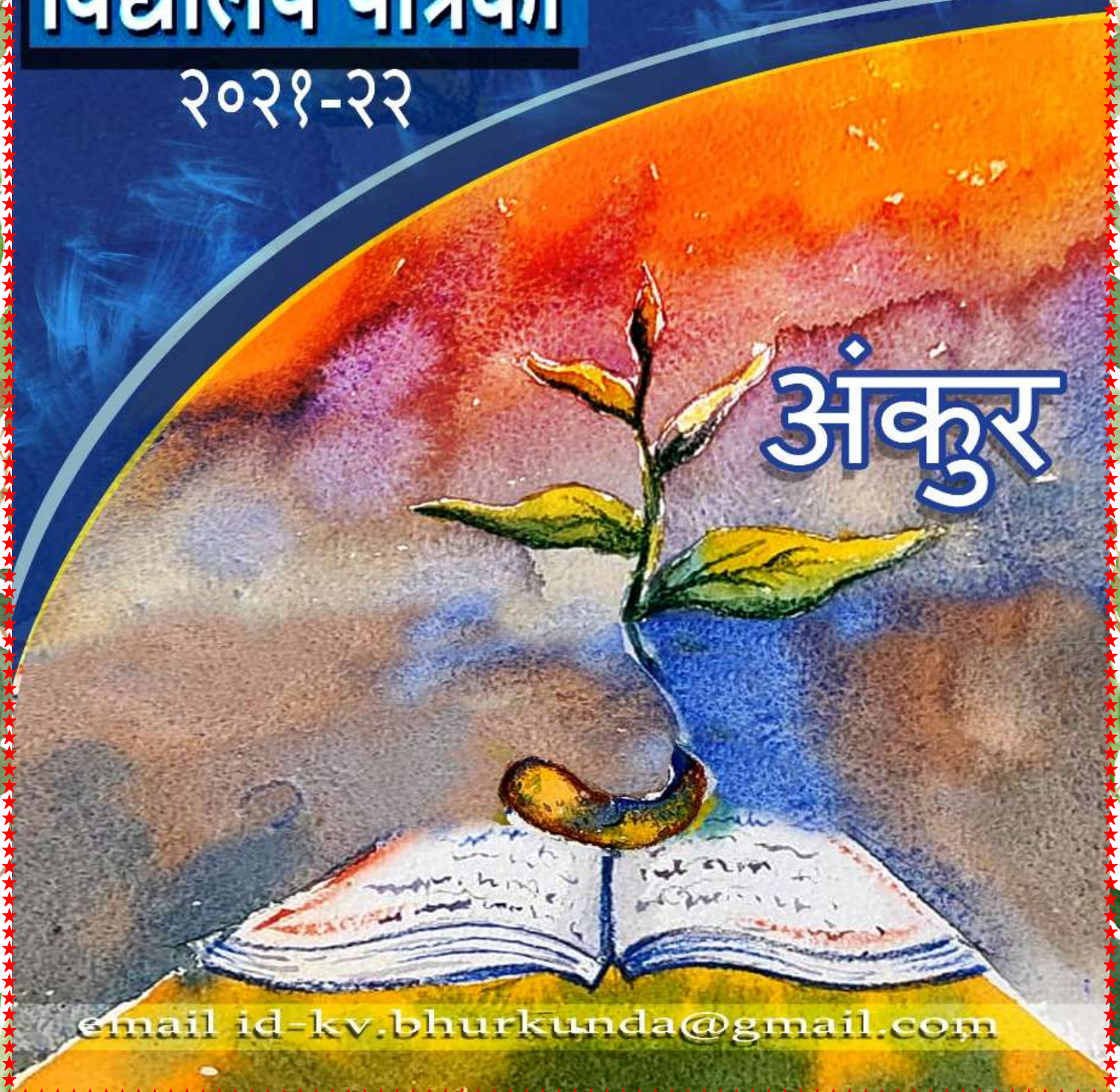

अंकुर

email id-kv.bhurkunda@gmail.com

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा, रांची संभाग

मुख्य संरक्षक

श्री डी. पी. पटेल

उपायुक्त, रांची संभाग

श्री मोहम्मद जावेद हुसैन

अनुमंडल पदाधिकारी (IAS) सह नामित अध्यक्ष

चेयरमैन

श्री कमलेश कुमार कुशवाहा

प्रभारी प्राचार्य

संपादक मंडल

हिंदी विभाग

श्रीमती सैमुननिशा

श्रीमती नीना बक्शी

श्री रुपेश कुमार

अंग्रेजी विभाग

श्री दयाल साव

कला सौजन्य एवं मुख्य पृष्ठ सज्जा

श्री अमित सिन्हा

तकनीकी सहायक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय राँची
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, REGIONAL OFFICE, RANCHI
(An Autonomous Body Under Ministry of Education)
के.वि. नामकुम परिसर, नामकुम राँची, झारखंड-834010
KV, Namkum Campus, Namkum, Ranchi, Jharkhand-834010
फोन: 09264436970(DC), 09102992107 (AO), 09102992108 (FO)
E-mail: dcroranchi@gmail.com,acroranchi@gmail.com
aororanchi@gmail.com, fororanchi@gmail.com, hindiroranchi@gmail.com
Fax:- 0651-2261075, Website: www.kvsroranchi.org.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

एफ. 40029 / केविसं / क्षे0का0 (राँची) / शैक्षिक / 2022 /

दिनांक 27.04.2022

सन्देश

यह अपार हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा वर्ष 2021-22 हेतु अपने विद्यालय की ईपत्रिका अंकुर का प्रकाशन करने जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से आप सभी को संप्रेषित करना चाहता हूं कि 2021-22 एक ओर वैश्विक महामारी कोविड-19 के लिए जाना जाएगा तो दूसरी ओर हिंदुस्तानियों का दृढ़संकल्प, इच्छाशक्ति एवं विषम परिस्थितियों में एक जुट होकर आपदा के विरुद्ध कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए भी जाना जाएगा। निस्संदेह इस आपदा की घड़ी में विद्यार्थियों की लगन, निष्ठा, कर्मठता एवं कुछ हासिल करने की भावना भी प्रदर्शित हुई है। बदलती हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक है कि हमारे शिक्षक समय की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें, न केवल उन्हें पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित रखें वरन व्यवहारिक शिक्षा से भी रूबरू कराएं। नई शिक्षा नीति भी इसी बात पर बल देती है। शिक्षकों का प्राथमिक उद्देश्य विद्यार्थियों में सकारात्मक एवं आशावादी सोच उत्पन्न करना होना चाहिए जिससे वे श्रेष्ठ एवम मूल्यवान मनुष्य बने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित करें। विद्यालय पत्रिका ही वह माध्यम है जिसमें संपूर्ण वर्ष की गतिविधियों की झलक प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर मिलता है । यह एक माध्यम है जिसमें बाल मनोभाव की सहज अभिव्यक्ति को कोरे पृष्ठों पर अंकित करने का रचनात्मक मंच उपलब्ध होता है। इन नन्हे सृजनकर्ताओं को प्रोत्साहन मिलता है एवं अपार हर्ष की अनुभूति होती है। मैं आश्वस्त हूं कि हमारे कर्मठ शिक्षक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन पूर्ण निष्ठा के साथ कर रहे हैं, भविष्य में भी करते रहेंगे। इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु प्रभारी प्राचार्य, अध्यापक एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

(डी पी पटेल)
उपायुक्त
केविसं क्षे.कार्या. राँची संभाग

MESSAGE by CHAIRMAN

Albert Einstein said, *"Education is not about learning of facts but training young minds to think."* There is a big difference between cramming up facts and learning them so that they can be applied in productive ways.

I have immense pleasure that school is publishing school magazine "ANKOOR" to provide a platform for holistic development of the students. School magazine has a great educative value. It encourages students to think and create. In fact, young talent finds exposure through this medium. The magazine also records the achievements and various activities of the school. I hope this publication would be successful to achieve these objectives.

My best wishes for the entire endeavour.

Mr. Md Jawed Hussain

Chairman (Nominee)

Kendriya Vidyalaya Bhurkunda

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय भुरकुण्डा

KENDRIYAVIDYALAYA, BHURKUNDA

नया नगर बरकाकाना(घुटुवा) N.T.S.-BARKAKANA, (GHUTUWA)

रामगढ़, झारखण्ड– 829103, RAMGARH, JHARKHAND–829103

Website:- www.kvbhurkunda.org.in Email:- kv.bhurkunda@gmail.com, kvbhurkunda@kvsedu.org Phone:- 6553-254019

प्राचार्य की कलम से

विद्यालय पत्रिका एक सुनहरा अवसर है विद्यार्थियों की कोमल भावनाओं, अनुभूतियों एवं प्रतिभा को प्रकट करने का |

इसके माध्यम से विद्यार्थियों की सृजन क्षमता को एक नया आकार प्राप्त होता है, हम पहली बार ई-पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं पत्रिका के दर्पण में विद्यालय की शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों को दर्शाने का लघु प्रयास किया गया है।

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा की अंकुर पत्रिका 2021-22 के प्रकाशन हेतु मैं अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूं उपायुक्त महोदय रांची संभाग श्री डी पी पटेल एवं विद्यालय के चेयरमैन श्री मो. जावेद जिनके मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था|

ई विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन से मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है विद्यालय के चहुंमुखी विकास के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन के उच्चाधिकारियों तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नामित अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारियों का अमूल्य योगदान सदैव प्राप्त होता रहा है ।

मैं विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को धन्यवाद देता हूं जिनकी रचनाएं इस पत्रिका में सुशोभित हो रही हैं | मैं विद्यालय के सभी शिक्षकों के प्रति अपना साधुवाद प्रदर्शित करता हूं जिनके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष योगदान से इस पत्रिका का संपादन हो सका ।

04.05.2022.

प्रभारी प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा
प्राचार्य/Principal
के० वि० भुरकुण्डा
K. V. Bhurkunda
जिला-रामगढ़-८२९१०३
Dist.-Ramgarh-829103

संपादकीय

प्रिय पाठक,

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा सत्र 2021-22 की विद्यालय पत्रिका शीघ्र ही साकार होने जा रही है

विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के मनोभाव, विचारों एवं उनकी सृजनात्मक क्षमता को एक साकार मंच प्रदान करती है |

उनकी नन्ही-नन्ही कोमल रचनाएं सभी पाठकों के रसास्वादन के लिए उपलब्ध होगी जिससे विद्यार्थियों को प्रोत्साहन भी मिलेगा |

बाल दोष गुन गिनहिं न साधू , को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के दोषों को अनदेखा कर, इनकी सराहना करनी चाहिए|

विद्यालय के सभी छात्र धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने विद्यालय पत्रिका के लिए परिश्रम करके अपने विचारों मनोभाव एवं कल्पनाओं को हिंदी भाषा में लिपिबद्ध किया|

विद्यालय द्वारा ई पत्रिका का यह प्रथम संस्करण है| मुझे आशा है यह संस्करण सभी जनों को आकर्षित करेगा |

मैं पत्रिका के इस संस्करण के लिए प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहायता हेतु प्रभारी प्राचार्य महोदय एवं अन्य सभी शिक्षक साथियों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं|

श्रीमती सैमुननिशा

प्र. स्नातक शिक्षिका (हिंदी)

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा का इतिहास

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा, भुरकुंडा के कोयलांचल में स्थित था ,परंतु 2008 में इस विद्यालय को सीसीएल कर्मियों के असहयोग के कारण बंद करना पड़ा ,जिसके पश्चात सभी लोगों को भारी असुविधा हुई, विशेषकर यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को और उनके परिवार जनों को ।परिवार जनों ने अदालत में केंद्रीय विद्यालय संगठन के ऊपर केस किया और अदालत का फैसला उनके पक्ष में आया तदोपरांत यह विद्यालय 2010 में पुनः खोला गया और वर्तमान समय में यह सी.सी.एल. के एक प्राचीन भवन जो पहले सीसीएल का जीएम ऑफिस हुआ करता था, उस भवन में यह विद्यालय अभी संचालित हो रहा है जिसके लिए हम सभी उनके प्रति आभारी हैं । अभी तक सही मायने में विद्यालय को जमीन मुहैया नहीं करवाया जा सका है जिसके कारण अस्थायी भवन में अभी भी यह विद्यालय संचालित हो रहा है। तमाम असुविधाओं के बावजूद इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम बहुत ही अच्छा हो रहा है और विद्यार्थी अन्य सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और समय-समय पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है। यहां के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ इस उम्मीद के साथ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं कि आने वाले समय में हमें और भी बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा । यह विद्यालय ना सिर्फ अपनी गरिमा को बनाए रखेगा बल्कि

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय	नाम
1	ज़िन्दगी जीना सिखा रही थी	आकर्षण अदिप्ती
2	परीक्षा और आत्मविश्वाश	श्रीमती नीना बक्शी
3	हमारा झारखण्ड	सिदरा अलफिया
4	ताड़ गाछ के अपन व्यथा	श्री दयाल साव
5	चुटकुले	एकलव्य
6	कोरोना काल और पुस्तकों का महत्व	श्री कमलेश कुमार कुशवाहा
7	पढाई	मो. अदनान
8	शहीदों की गाथा	श्री मो. अल्लाउद्दीन अंसारी
9	गुमनाम स्वंत्रता सेनानी	आर्यन कुमार
10	हँसो और हँसाओ	निहारिका सिन्हा
11	बिजली रानी	अनुष्का शिवांशी
12	दोस्ती	आकर्षण अदिप्ती
13	एग्जाम	दीपिका कुमारी
14	स्वतंत्रता दिवस	अंशु कुमार गुप्ता
15	हिंदी देश का गौरव	श्रीमती सैमुननिशा
16	हमें कभी उम्मीद नहीं छोड़ना चाहिए	दिनेश कुमार
17	मेरी नन्ही परी	श्रीमती प्रीति
18	कोरोना काल में शिक्षा	अर्पिता कुमारी
19	Quotes	Wakar Ahmad
20	Essence of Life	Mrs. Preety
21	Taj Mahal	Jannat Zara
22	Kedar Nath	Jannat Zara

23	10 Tongue Twister	Gulam Quibria
24	Computer Computer	Mr. Amit Sinha

हिंदी हमारी शान

जिंदगी जीना सीख रही थी

कल एक झलक जिंदगी को देखा,,

वो गुनगुना रही थी

फिर ढूंढा उसे इधर उधर

वह आंख मिचोली कर मुस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे करार

वह प्यार से मुझे सुला रही थी,

हम दोनों क्यों खफा है एक दूसरे से, मैं उसे और वह मुझे समझा रही थी

मैंने पूछ लिया क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने

वह हंसी और बोली मैं जिंदगी हूं पगले, तुझे जीना सिखा रही थी!

आकर्षण अदिप्ती

वर्ग नवम

परीक्षा और आत्मविश्वास

आत्मविश्वास बढ़ाना है, आत्मविश्वास बढ़ाना है,

परीक्षा से नहीं घबराना है

सफलता की है ,पहली सीढ़ी

हर चुनौती पार कर जाना है,

आत्मविश्वास बढ़ाना है, आत्मविश्वास बढ़ाना है ।

डरना नहीं है तुम्हें,बस आगे बढ़ना है,

हर मुश्किल का सामना, डट कर करना है,

विघ्न बाधाओं को पार कर जाना है

परीक्षा से बिल्कुल नहीं घबराना है,

जीवन की राह में कई चुनौतियां आएंगी ,

वह कभी डराएंगी कभी रुलाएँगी ,

ना डरना ना रोना बस मुस्कुराना है ,

परीक्षा से बिल्कुल नहीं घबराना है |

गर घबराओगे तो कैसे आगे आओगे ?

जीवन की कठिनाइयों से कैसे पार पाओगे ?

खुद पर करो भरोसा ,

तभी जिंदगी की जंग जीत पाओगे ,

चीर के झंझावातों को बस ,

आगे बढ़ते जाना है ,

आत्मविश्वास बढ़ाना है ,आत्मविश्वास बढ़ाना है|

श्रीमती नीना बक्शी

संगीत शिक्षिका

हमारा झारखण्ड

आज मैं आपको झारखंड के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें बताने जा रही हूं -

क्या आप जानते हैं झारखंड ,भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित है।

झारखंड को मुगल काल में कुकरा नाम से जाना जाता था तथा ब्रिटिश काल में झारखंड नाम से जाना जाने लगा ।

महाभारत में झारखंड को पुंडरीक देश के नाम से जाना जाता था ।

झारखंड का सर्वप्रथम उल्लेख 13वीं शताब्दी में मिलता है |

झारखंड को जंगल की भूमि या बुशलैंड के रूप में जाना जाता है क्योंकि राज्य के कुल क्षेत्रफल का 29.55 प्रतिशत जंगल के अंतर्गत आता है ।

झारखंड शब्द इंडो आर्यन भाषा से लिया गया है जहां झाड़ का अर्थ है झाड़ी और खंड का अर्थ भूमि है ।

यह राज्य खनिज संसाधनों में समृद्ध है। भारत के कुल खनिज में 40% से अधिक का योगदान देता है ।

15 नवंबर 2000 को छोटानागपुर क्षेत्र को बिहार के दक्षिण हिस्से से अलग कर झारखंड नामक एक अन्य राज्य को जन्म दिया जो भारत का 28 वा राज्य बना।

झारखंड के पहले मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल मरांडी थे । झारखंड में कुल 24 जिले हैं झारखंड का सबसे बड़ा जिला रांची है तथा सबसे छोटा जिला लोहरदगा है ।

आशा है यह जानकारी अच्छी लगेगी ।

धन्यवाद ।

सिदरा अलफिया

वर्ग सप्तम

ताड़ गाछ के अपन व्यथा

गाव घर के पुरखा हलथि , एहे तार गाछ हो,
देखेत देखेत बाढ़ल छउवा , भेले समैया पाछ हो ,
चैढ चैढ ताको हलिये , सौसे सुन्दर गांव हो,
बड़ हलय मकील दो हलय , योहो तनी छाव हो,,
दू रंग के तारी एकर , तर तर चुवो हलय,
कै रंग कर बीमारी भागल ,जेकर लादा एहे गलय ,,
खाजा खोवा सुनले होबा, चरक चरक झलको हय ,
दुवे अंगूरी कोकैच निकैलयाहा, निकलल हाँथे छलको हय,,
सोझ रहेकर एकर कहनी , जाने देखल केते जवानी,,
अब एकर देहिया एकर नाइ, मशीन एलो धरती खाय,,
गैस निकालत्व ,निकालत्व कोयला ,
करिया रकम से भरतव झोला,,
तार गाछ अब भैर लोर , एहे देखि कांदेय थय ,
कंपनी बाघ ,भैर अक्वायर , काँटा तार बांधे थय,,
बाबू बुचु ,मईया मुनि , बढ़ बढ़ाबा तुहिन जहिया,
हमें तब त नाइ रहबो , सबके हमर कहनी कहिया,,

श्री दयाल साव
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
कला विभाग

चुटकुले

1) पप्पू बेटा दो बिस्तर क्यों लगाए

बेटा दो मेहमान आने वाले हैं

पप्पू कौन-कौन

बेटा मम्मी के भाई और मेरे मामा

पप्पू बेटा एक और बिस्तर लगा मेरा साला भी आ रहा है

2) किसी को पता है की गलतियों पर ढकने वाला पर्दा कहां मिलता है?

और कितना मीटर लेना पड़ेगा

3) जिंदगी में टेंशन मेरे पीछे ऐसी पड़ी हो

जैसे वह मेरा पहला प्यार हो

4) लड़का कितना भी बिजी क्यों ना हो

लेकिन पास से गुजरती हुई सुंदर कन्या को देखने के लिए वक्त निकाल ही लेता है

यह इंसानियत नहीं तो क्या है ?

5) पप्पू - भाई शादी के जोड़े कौन बनाता है

राजू- भगवान बनाता है

पप्पू- ओ तेरे की

मैं तो दर्जी को दे आया

एकलव्य

वर्ग 9

कोरोना काल और पुस्तकों का महत्व

वर्तमान समय जब सारा संसार कोरोना के प्रभाव से अस्त- व्यस्त हो गया है और शिक्षा जगत भी इससे अछूता नहीं है, बच्चों की शिक्षा स्कूल से निकलकर मोबाइल में चली गई है। जिन बच्चों को हम मोबाइल से दूर रहने को कहते थे, उन्हीं बच्चों को आज हम मोबाइल एवं अन्य ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। हमने शिक्षा देने का वैकल्पिक माध्यम ढूंढ लिया है, लेकिन इसके बहुत सारे दुष्प्रभाव भी हैं। बच्चों का मोबाइल के प्रति बहुत ज्यादा लगाव ,उनके तन-मन को खोखला कर रहा है और वे विभिन्न तरह की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं बच्चों का मानसिक संतुलन भी बिगड़ रहा है । परंतु एक कहावत है कि "हरेक आपदा अपने साथ एक अवसर भी लाती है", शिक्षा के क्षेत्र में भी एक अभूतपूर्व क्रांति हुई है, सभी बच्चे और शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से रुबरु हो गए हैं एवं सभी शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से आज पढ़ाई करने में सक्षम हो गए हैं, जो कि इस करोना काल के पूर्व संभव नहीं था एवं उनके लिए एक दुष्कर कार्य था।

"आवश्यकता आविष्कार की जननी है", वर्तमान परिपेक्ष में शिक्षकों ने भी इसकी जटिलता एवं तकनीकी विधि को बड़ी आसानी से आत्मसात कर लिया है एवं इसका कार्यसाधक ज्ञान सभी को हो गया है। ऑनलाइन माध्यम से कक्षा का संचालन कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाने से बहुत अलग है, लेकिन हम जानते हैं कि यह केवल वैकल्पिक व्यवस्था है । बच्चों का संपूर्ण बौद्धिक विकास विद्यालय आकर पढ़ाई करने से ही होगा और मेरा सुझाव है कि हम बच्चों को जड़ से अर्थात पुस्तकों से जोड़कर रखे जो अति आवश्यक है ,इसके कार्यान्वयन के लिए मेरे कुछ सुझाव हैं जो निम्नांकित है:—

1. ऑनलाइन माध्यम से कक्षा लेने के उपरांत ऐसा गृहकार्य बच्चों को दें , जिसे बच्चे पाठ्यपुस्तक का उपयोग किए बिना नहीं कर सके।
2. बच्चों को कहानी, पुस्तक एवं न्यूज़पेपर में प्रकाशित आलेख को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
3. अभिभावक बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक लाकर दें ,ताकि वह खाली समय में उन पुस्तकों को पढ़ें और मोबाइल से दूर रहें । बच्चों से बात करें, उन्हें कहानी सुनाएं , उनसे

कहानी सुनें , बच्चों को अपने जीवन की अच्छी अच्छी बातें बताएं और उन्हें आत्मसात करने के लिए प्रेरित करें।

4. एक महत्वपूर्ण गतिविधि जो उनके ज्ञान के वृद्धि एवं ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई की बोझिलता को कम करेगा

उस गतिविधि का नाम है ,

"DEAR" इसका मतलब है Drop Everything and Read,

इस गतिविधि की तहत प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक एवं माता पिता, प्रत्येक सप्ताह में एक दिन सब कुछ छोड़ के, अपनी पसंद की कम से कम एक पुस्तक जरूर पढ़ेंगे एवं अपनी एक सेल्फी पुस्तक के साथ विद्यालय समूह में डालेंगे ,जिससे कि बाकी सभी भी इस गतिविधि के लिए प्रोत्साहित हों एवं विद्यालय उनके इस गतिविधि का उत्साह वर्धन करेंगे और उनके प्रयास को प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित करेंगे | पूरे साल में सबसे अधिक पुस्तक पढ़ने वाले को विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित करेंगे।

उपरोक्त गतिविधि द्वारा बच्चों को पुस्तक से जोड़े रहेंगे और उनको पुस्तकों के महत्त्व का ज्ञान होगा और साथ-साथ उनका बौद्धिक आध्यात्मिक एवं मानसिक विकास भी होगा इसके अलावा और अनेकों गतिविधियां हैं जो शिक्षक माता पिता अपने स्तर से सोचकर कर सकते हैं अंत में कहना चाहूंगा |

पुस्तकों से करो प्यार ,
पुस्तक है हर सुख का आधार,
पुस्तक, जीवन की मझधार
में करेगा हर बेड़ा पार।

श्री कमलेश कुमार कुशवाहा
पुस्तकालय अध्यक्ष
केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा

पढ़ाई

पढ़ाई ये पढ़ाई किसने है बनाई

कर रहा हूं मैं उसकी खोजाई

करना है मुझे अब उससे लड़ाई

पढ़ाई ये पढ़ाई किसने है बनाई

खोजता हूं उसे हर गली और शहर में

जब मिलेगा मुझे

पूछूंगा उससे

बता तू मुझे

क्या तूने की ये पढ़ाई

ऐसा क्या सूझा जो बनाई ये पढ़ाई

किया कितना तूने हमारे साथ ढिठाई

हम बच्चों को मिली कितनी कठिनाई

पता भी है तुझे मम्मी घर पर डांटती ,पापा मारते,

स्कूल जाओ तो टीचर होमवर्क मांगते

ना करो पढ़ाई तो दिन भर मिलेगी पिटाई ,

क्या करूं मैं, क्या करूं मैं,

नहीं करनी मुझे इतनी पढ़ाई

पढ़ाई ये पढ़ाई किसने बनाई

करता हूं मैं दिन-रात उसी की खोजाई

पढ़ाई ये पढ़ाई तुझे किसने बनाई |

मो. अदनान

वर्ग IV

शहीदों की गाथा

महापुरुषों ने बनाया देश को अपने रक्त के बलिदान से ,

सींचा इसके जर्रे जर्रे को, अपने हृदय के अरमान से ,

मिलकर किया सबने हाहाकार फिरंगियों के अत्याचार पर,

भूल गए सब धर्म, जाति पहले शीश चढ़ाया देश को

मां की गोदी उजड़ी , बहन की राखी टूटी ,

पिता का अभिमान हो गया देश को बलिदान.,

बना गए वो आजाद हिंदुस्तान |

अर्पित है श्रद्धांजलि उनको,

जो हो गए देश को कुर्बान |

जब तक रहेगी धरती; होता रहेगा उनका गुणगान ,

अमर शहीदों की गाथा हम नव पीढ़ी को बताएंगे

शहीदों की इस पूंजी को रखना जतन से,

हम उनको सिखलाएंगे|

मो. अल्लाउद्दीन अंसारी

सामाजिक विज्ञान शिक्षक

गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी

नाम-रासदयाल देव

जन्म तिथि -1 जनवरी 1915 मृत्यु तिथि - 1956

राज्य - झारखण्ड

पारिवारिक पृष्ठभूमि - बेटा सुखदेव मुनी

पुरस्कार/प्रशंसा - ताम्र पत्र {इंदिरा गांधी द्वारा}

समर्थन दस्तावेज

प्रमाणपत्र/पुरस्कार - ताम्र पत्र इंदिरा गांधी द्वारा दिया गया

गली या रास्ता- सेनानी पथ

योगदान-

अंग्रेजों से लोहा लेने के क्रम में जब आंदोलन ने उग्र रूप धारण कर लिया था, तब बिहार के प्रत्येक जिले में प्रशासन को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसी घटना के तहत सेनानी रामदयाल के साथ उनके बुजुर्ग साथियों को बंदी बना लिया गया था। बांकेपुर जेल में बंद सेनानी रामदयाल बड़ी आसानी से खिड़की से आर-पार हो जाते थे। उनके इस कार्य से बंदी साथियों को अनेक प्रकार की सहायता उपलब्ध हो जाती थी। एक बार खिड़की से आर-पार होने के क्रम में जेल के पदाधिकारियों ने इन्हें देख लिया। परिणामस्वरूप इन्हें साथियों से अलग एक सेल में रखा गया। करीब 15 दिनों बाद पटना के एसडीएम ने बंदियों को छह महीने की सजा सुनाई, लेकिन रामदयाल को नाबालिग समझकर छोड़ दिया। स्वतंत्रता सेनानी रामदयाल देव ने खुद लिखी डायरी में इसका भी जिक्र किया है कि सन 1932 से लेकर 1942 तक वे बिहार

के कई जेलों पटना, बांकेपुर हाजत, पटना सिटी हाजत, गुलजारबाग प्रेस हाजत, पटना गुलजारबाग प्रेस जेल, दानापुर हाजत, गया हाजत व जेल, गिरिडीह हाजत, हजारीबाग सेंट्रल जेल, पटना जिला जेल, फुलवारीशरीफ में सजा काटी है। हजारीबाग सेंट्रल जेल की अवधि में उनकी मुलाकात डा.. राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश नारायण, शालिग्राम सिंह व जगजीवन राम आदि नेताओं से हुई थी। हजारीबाग शहर में अंग्रेजी शासन के खिलाफ सेनानी रामदयाल को पर्चा बांटने का काम सौंपा गया था। वे निर्भीक होकर बड़े ही जोश के साथ पर्चा बांटने में व्यस्त थे। इस दौरान सिविल ड्रेस में एक पुलिस पदाधिकारी ने पर्चों के साथ इनको गिरफ्तार कर लिया। थाने में सेनानी रामदयाल से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के कार्यक्रमों की गुप्त सूचना के बारे में पूछताछ की जाने लगी। परंतु सेनानी रामदयाल ने पुलिस के समक्ष अपना मुंह नहीं खोला। पूछताछ के क्रम में पुलिस ने रामदयाल को खूब प्रताड़ित किया। परंतु एक साहसी बालक का परिचय देते हुए उन्होंने डीएसपी के समक्ष एक शब्द तक नहीं बोला। पुलिस की पूछताछ के क्रम में बेंत से इनकी इतनी पिटाई हुई कि वे मरणासन्न की स्थिति में हो गए थे। कई महीनों तक वे बिस्तर से उठ नहीं पाए थे।

ऐसे थे हमारे स्वतंत्रता सेनानी|

उन्हें शत -शत नमन

नाम -आर्यन कुमार

कक्षा - 6

हँसो और हँसाओ

पिंकी - मरते वक्त इंसान को क्या देना चाहिए

मिंकी - बिरला सीमेंट

पिंकी- वह क्यों ।

पिंकी- क्योंकि इस सीमेंट मे जान है ।

चंपा- बताओ धरती और चांद का क्या रिश्ता है ।

चमेली -बहन और भाई ।

चंपा- वह कैसे ।

चमेली -हम धरती को धरती माता कहते हैं और चांद को चांद मामा ।

बेटी- मम्मी हम स्कूल क्यों जाते है?

मम्मी- इंसान बनने के लिए।

बेटी - मगर मास्टर जी तो मुझे रोज मुर्गी बना देते हैं ।

निहारिका सिन्हा

वर्ग नवम

बिजली रानी

बिजली रानी

बिजली रानी बिजली रानी,

क्यों करती हो मनमानी ,

गर्मी कहर बरसाती हो ,

गर्मी बहुत सताती है ,

फिर भी तुमको हम पर ,

दया क्यों नहीं आती है ,

बेवक्त चली तुम जाती हो,

याद बहुत तुम आती हो ,

क्यों करती हो ऐसे नादानी ,

जिससे होती हमें परेशानी,

मच्छर काटे ,सोने ना दे

समय पर आकर, हम को बचाओ, समस्या यह हमारी जल्दी सुलझाओ, तुम्हारी कीमत समझेंगे

और सब को समझाएंगे

बिजली रानी, बिजली रानी

अब छोड़ो अपनी मनमानी,

अनुष्का शिवांशी

वर्ग 6th

दोस्ती

एक दिन हम जुदा हो जाएंगे

ना जाने कहां खो जाएंगे

तुम लाख पुकारोगे हमको पर हम लौट कर ना आप आएंगे

थक हार के दिन के कामों से जब रात को सोने जाओगे

जब देखोगे अपने फोन को और पैगाम मेरा ना पाओगे

एक रोज यह रिश्ता छूटेगा फिर कोई ना हमसे रूठेगा

फिर हम ना आंखें खोलेंगे तुमसे कभी ना बोलेंगे

आखिर उस दिन तुम रो दोगे

ए दोस्त मुझे तुम खो दोगे !!

आकर्षण अदिप्ती

वर्ग IX

एक्ज़ाम

शिक्षक करते नहीं बिलकुल भी आराम

जब हो स्कूल में दसवीं और बारहवीं का एक्ज़ाम

स्कूल खुलने से शिक्षक नहीं है परेशान

पर सारे बच्चे हो गये हैरान

कैसे होगी एग्जाम की तैयारी

या फिर से आयेगी कोई नई बीमारी

बुरा होता है सब का हाल

जब एग्जाम में आता है मुश्किल सवाल

डांस , गाना , ड्राइंग ,स्पोर्ट्स सुन के जोश आ जाता है

पर एग्जाम के बारे में सुन के ही होश खो जाता है।

हमारे स्कूल की कुछ बात ही निराली है

तने से निकली शिक्षा की एक मजबूत सी डाली है।

दीपिका कुमारी

वर्ग VI

स्वतंत्रता दिवस

आज का दिन है सुनहरा

तिरंगा हम फहराएंगे

हजारों लोगों की कुर्बानी को

सफल हम बनाएंगे

भारत मां की जय- जय कार

आज हम लगाएंगे

लोगों के मन में देशभक्ति

आज हम जगायेंगे

देश से भ्रष्टाचार

हम सब मिटायेंगे

आज का दिन है सुनहरा

तिरंगा हम फहराएंगे

महात्मा गांधी वीर भगत

सब की याद दिलाएंगे

लोगों के मन में उनके लिए

सम्मान हम जगायेंगे

अंशु कुमार गुप्ता

वर्ग अष्टम

हिंदी देश का गौरव

हिंदी देश का अभिमान है

भारत देश की शान है ,

मगर बन न सकी हमारी राष्ट्रभाषा,

अभी भी चलती है बनके राजभाषा

आजादी के 74 साल बीते .

फिर भी हम अंग्रेजी के पीछे,

हिंदी को वह गौरव दिला ना सके

हिंदी को राष्ट्रभाषा बना ना सके ।

पग पग भटकी नेताओं की चाल में;

बनी ना देश के माथे की बिन्दी

कुछ लोगों की आड़ में,

अभी भी फंसा है भारतीय, अंग्रेजी के जंजाल में ,

जो बीत गया उसे छोड़ दो ,

आने वाले कल में हिंदी को जोड़ दो ,

छोड़ो सब अपना झगड़ा

जब एकजुट हो जाओगे

तभी हिंदी को राष्ट्रभाषा बना पाओगे ।

श्रीमती सैमुननिशा

प्र. स्नातक शिक्षिका (हिंदी)

कहानी

(हमें कभी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए)

एक बार एक व्यक्ति एक हाथी को रास्ते में बांध कर ले जा रहा था | एक दूसरा व्यक्ति उसे देख रहा था, उसे बड़ा आश्चर्य हुआ एक बड़ा सा जानवर एक पतली सी रस्सी में बंधा जा रहा है, दूसरे व्यक्ति ने हाथी के मालिक से पूछा यह कैसे संभव है कि इतना बड़ा जानवर बिना तोड़े तुम्हारे पीछे पीछे चल रहा है | हाथी के मालिक ने बताया कि जब यह हाथी बच्चे होते थे तो क्या होता था , पतली सी रस्सियाँ उनके गले में बांध दिया करते थे, तब वे तोड़ नहीं पाते थे | बार-बार कोशिश करने पर भी किसी को नहीं तोड़ पाते थे हाथी सोच लेते हैं कि नहीं तोड़ पाएंगे और बड़े होने पर कोशिश करना ही छोड़ देते है |

कहानी से सीख

हम ऐसे नकारात्मक बातें अपने दिमाग में बैठा लेते हैं कि हम नहीं कर सकते हैं हमें कभी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए और कोशिश करते रहनी चाहिए |

दिनेश कुमार

वर्ग 8

“मेरी नन्ही परी”

बाबा ने बुलाया था|
मम्मी ने भी सीने से लगाकर,
प्यार बहुत जताया था|
लड्डू -बर्फी ना सही ,
दादी ने गुड़ बंटवाया था |
चाची ने नजर उतारी ,
बुआ ने काजल डाला था|
इस दिन को कितनी बार,
बाबा तुमने बताया था |
भाई - बहनों ने भी मुझको ,
गोदी खूब खिलाया था|
भाई के आने पर,
यही सब तो दोहराया था |
हर पल खुशहाली थी,
हर लम्हा बड़ा ही प्यारा था |
फिर कुछ दिन का ही क्यों ,
वो खुशियों का साया था |
जा रहे थे तुम बाबा,
मैंने बहुत पुकारा था |
रो-रो कर कितनी ही बार ,,
नाम तुम्हारा चिल्लाया था |
ऐसा करने से पहले ,क्या सच में,
मेरा चेहरा याद, नही आया था |
नाराज होकर तुमसे हर पल रहती गुस्सा थी ,
फिर माँ ने प्यार से समझाया था |

तुम्हारा देखा हर सपना ,
उन्होंने मुझे बताया था |
हर क्षण मुश्किल थी,
हर दिन संकट भरा था,
तुम्हारे जाने के बाद,
माँ ने साहस बहुत दिखाया था|
हर सपना तुम्हारा बाबा, आज पूरा है |
कैसे बोलू तेरे बिना,
तेरी परी का हर दिन सूना है |
देखकर टीवी बचपन में ,
मैं खुश हो जाया करती थी |
मरे हुए लोग जिन्दा होते, मेरे बाबा भी आयेंगे|
पर तुम तो कभी ख्वाबों में भी आये ना |
दरवाजा आज भी तेरी बाट निहारता है |
तेरी लाडो का हर दिन बाबा ,तेरे बिन सूना है |

प्रीति
-प्रशिक्षित स्नातक गणित शिक्षिका

कोरोना काल में शिक्षा

था टीचर का ब्लैक बोर्ड कभी ज्ञान का खज़ाना

हुआ ये किस्सा पुराना अब है मोबाइल का जमाना |

मिलते हैं मोबाइल पर गुरु जी

कहते वहीं से तुम पढ़ाई करो शुरु जी |

अब मोबाइल में टीचर,टीचर के पास मोबाइल

देखते देखते सारे स्टूडेंट करने लगे स्माइल |

बच्चे अब कर लेते हैं,वहीं से आज्ञा पालन

पढ़ाई के नाम पर होता,गेम का संचालन |

ऑनलाइन पढ़ाई से मम्मी पापा भी खुश

नहीं पता वहीं से लूडो खेल रहा है उनका दुष्ट |

अब टीचर की डांट से भी बच्चे होते हैं प्रसन्न

क्योंकि टीचर को चुप करने का उनके पास है बटन |

टीचर मोबाइल से थोड़ा थोड़ा ही पढ़ाएंगे

नहीं तो बच्चे मोबाइल बंद करके भाग जाएंगे |

अब सारे टीचर मोबाइल पर ही पढ़ाएंगे

मम्मी पापा भी खुश की, बच्चे कुछ कर दिखाएंगे |

~~

अर्पिता कुमारी

वर्ग छठी

ENGLISH CORNER

QUOTES

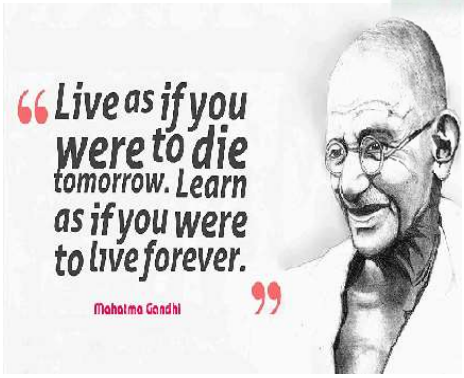

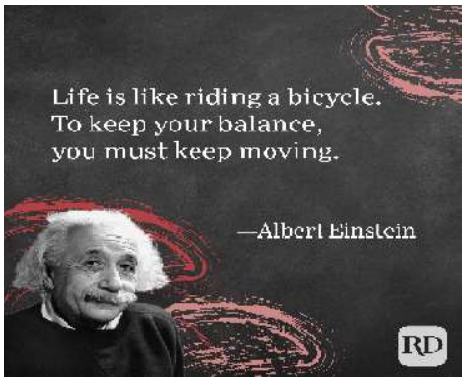

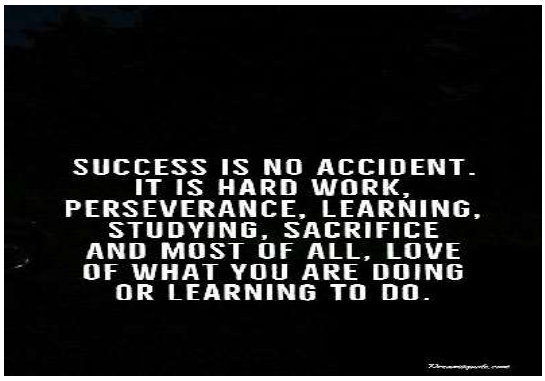

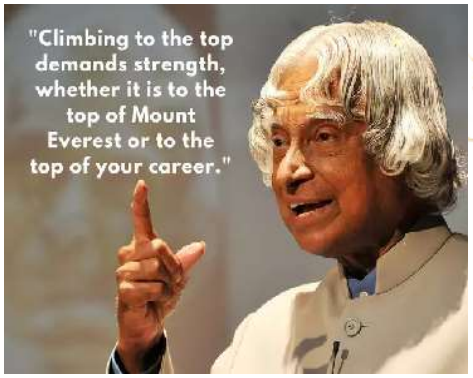

Wakar Ahmad

Class X

ESSENCE OF LIFE

Living isn't complete until

You live it every bit.

Why are you feeling the pain?

Why so much complaints?

Just get up on the floor,

and ask your crust, mantle and core.

Is this the life wanted by you?

Do not the nightmares haunt you?

Stop making complaints,

Start following your dreams.

Just don't swim with the streams.

Let you be the master,

Let yourself decide.

Don't let others to define your life.

Living isn't complete until

You live it every bit.

Mrs. Preety

TGT(Maths)

KV Bhurkunda

Taj Mahal

Taj Mahal is one of the main reason why India is famous the note Taj Mahal was brought to life by division of the Mughal emperor Shah Jahan. He got this monument built for his beloved wife, Mumtaz Mahal after she passed away. To honour the memory of his loving wife, Shahjahan order the finest artisan from all over the world to build it.

He wanted to make something that had never been done before for anyone. The emperor wished to give the last gift to his wife whom he loved very much. Taj Mahal was declared as a Heritage site by UNSECO in 1983 Taj Mahal is made from white marble. They begin constructing it in 1630 and completed in a time span of almost 20 years. The walls of monument are engraved with quite expensive stones. Shah Jahan spent a hefty amount of money in the making of Taj Mahal.

In addition, we see how the buildings of this is structure required 20,000 workers approximately to get the word completed. This monument is famous all over the world. Around 2 to 3 million people come to visit the Taj Mahal every year. The beauty and history of the monument attract people the most and make it famous all over the world.

Jannat Zara

Class IX

Kedarnath

Kedarnath, a popular Hindu temple tucked away in the lap of Garhwal Himalayas, some 221 km from Rishikesh in Uttarakhand, is one of the twelve Jyotirlinga temples of Lord Shiva. Lying against the backdrop of the magnificent Kedarnath Mandir range at an altitude of 3580m, the splendid Kedarnath Dharm is where the devotees some seeking the blessings of Lord Shiva.

Kedarnath Mandir is said to have been constructed by Adi Shankaracharya in the 18th century A.D. the nearby flowing Mandakini river, memorizing with and splendid sceneries in the forest, and environment mein Kedarnath Dham Yatra, a tranquil and picture place to be at.

The devotees experience immense peace of mind while undertaking a Kedarnath temple spiritual tour. The temple has survived one of the worst flash flood in 2013. Of all time in the state in enhancing its sacredness and the Mystique in the eyes of the tour site every year, as a part of CharDham Yatra circuit in the indeed, Kedarnath in Uttarakhand is one of the most prominent pilgrimages, particularly for the Hindus and spiritual seekers.

Jannat Zara

Class IX

10 Tongue Twisters

1.Peter piper picked a peck of pickled peppers. Did Peter Piper pick a peck of pickled peppers.

2.How much wood would a woodchuck chuck if a woodchuck could chuck wood .

3.She sells seashells on the seashore. The shells she sells are surely seashells. So, if she shells on the seashore, I'm sure she sells seashore shells.

4.When a doctor do tors a doctor, does the doctor doing the doctoring doctor as the doctor being doctored wants to be doctored ?

5.Which wristwatches are Swiss wristwatches ? I wish to wash my wrist watch.

Gulam Quibria

Class -10th

Computer, Computer!

Computer, computer!
You have so many parts.
There are big ones and small ones
And one that makes you start.

The Central Processing Unit's
where it all begins.
Some people call it the CPU.
It has a hard drive which
Saves everything you do!

The monitor is the top part
Which might look like a TV.
It shows everything in color
So that you can see.

The keyboard lets you input
Letters and numbers alike.
So that you can type great
Stories and poems if you like.

The mouse has two buttons
And a rolling wheel in the middle.
It helps guide you across the screen
when you give it a little jiggle.

A printer puts your words on paper.
It can even print pictures too.
Some printers are black and white,
While others print in color by mixing
red, yellow and blue.

A scanner is a special type of camera.
It's quite an amazing machine.
It will take a snapshot of your paper
And put it on the screen.

Computers are marvelous devices
That allow you to do many things.
But in school I always save my work
Right before the bell rings!

Amit Sinha

Computer Instructor

छाया चित्र

KENDRIYA VIDYALAYA BHURKUNDA, RAMGARH

VMC MEETING

03.03.2022

Sh Umesh Kumar
Principal

Chairman & DC Visit

PARIKSHA PE CHARCHA

Funday Activity Primary Section

Medical Checkup Camp

निगमित सामाजिक दायित्व
(सी.एस.आर.)
के तहत
सी.सी.एल.
केन्द्रीय कर्मशाला अस्पताल बरकाकाना
द्वारा

Fire Rescue Camp

Class 10th Farewell

REDMI NOTE 9 PRO MAX
DAYAL

Women's Day Celebration

Republic Day Celebration

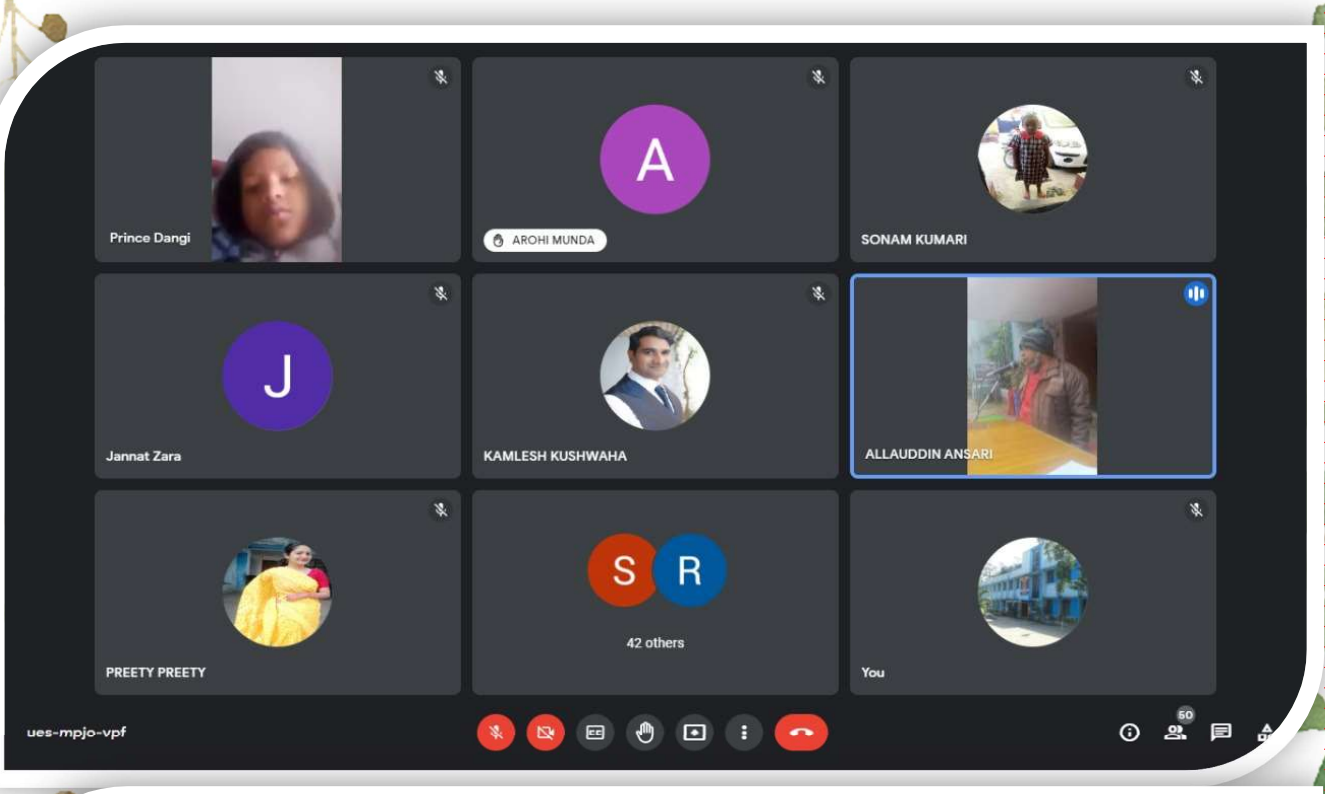
Prince Dangi
AROHI MUNDA
SONAM KUMARI
Jannat Zara
KAMLESH KUSHWAHA
ALLAUDDIN ANSARI
PREETY PREETY
42 others
You
ues-mpjo-vpf

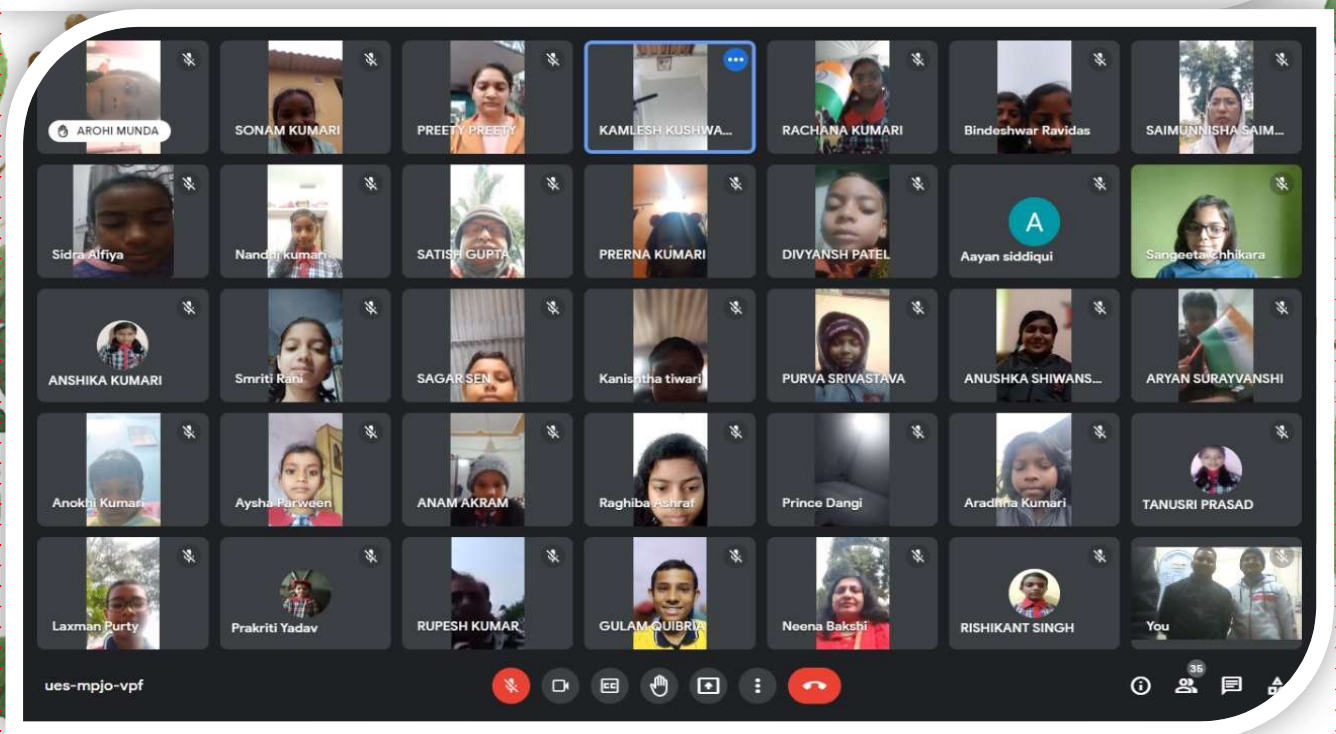
AROHI MUNDA
SONAM KUMARI
PREETY PREETY
KAMLESH KUSHWA...
RACHANA KUMARI
Bindeshwar Ravidas
SAIMUNNISHA SAIM...
Sidra Alfiya
SATISH GUPTA
PRERNA KUMARI
DIVYANSH PATEL
Aayan siddiqui
ANSHIKA KUMARI
Smriti Rani
SAGAR SEN
PURVA SRIVASTAVA
ANUSHKA SHIWANS...
ARYAN SURAYVANSHI
Anokhi Kumari
Aysha Parween
ANAM AKRAM
Prince Dangi
TANUSRI PRASAD
Laxman Purty
Prakriti Yadav
RUPESH KUMAR
Neena Bakshi
RISHIKANT SINGH
You
ues-mpjo-vpf

Virtual Morning Assembly

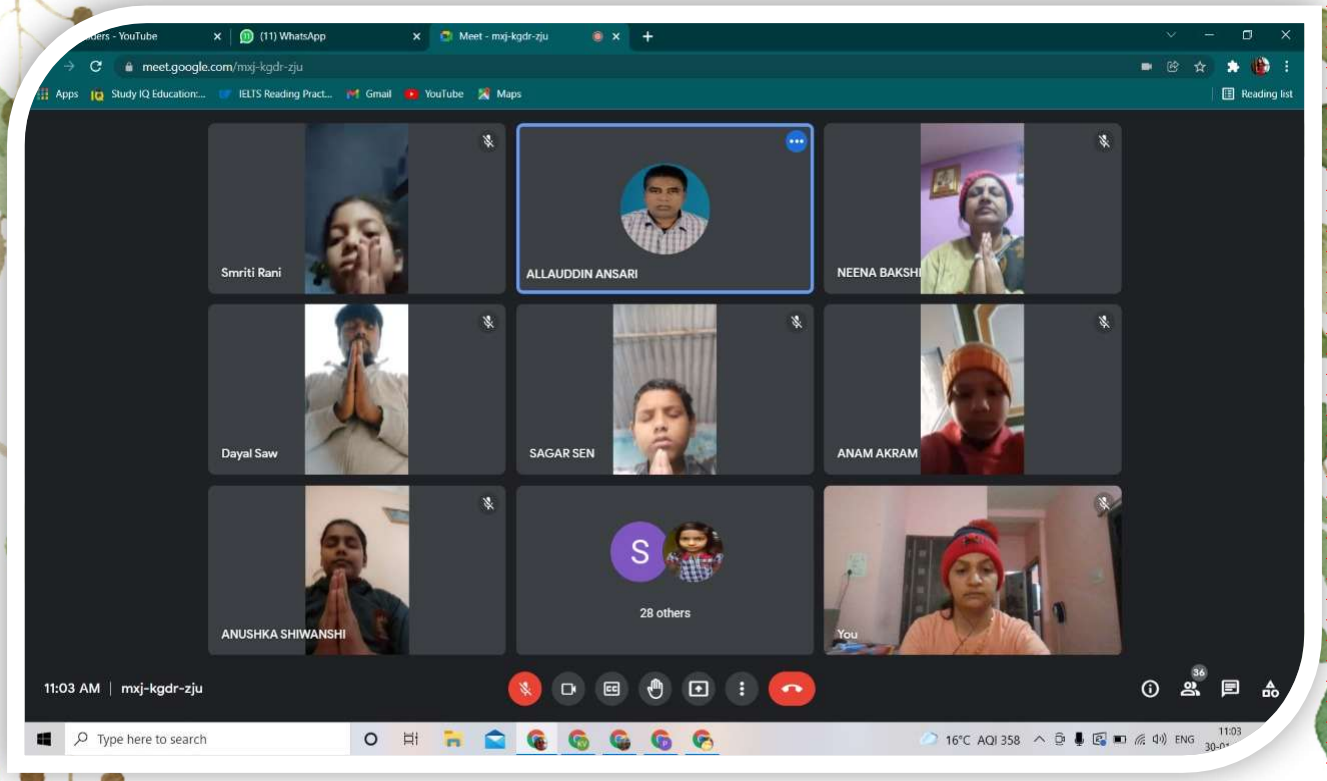

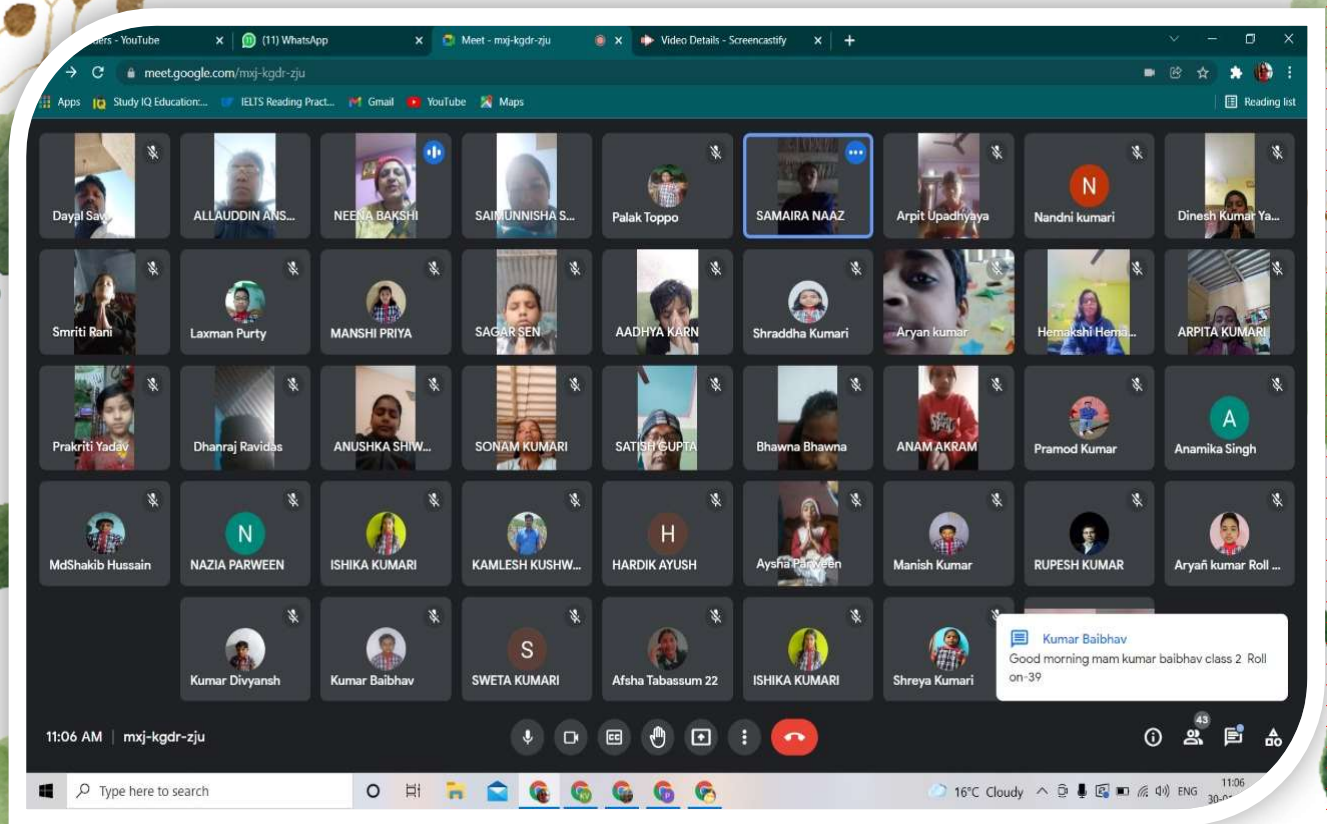

आओ मिलकर खेले खेल

खेलों से बढ़ती है मेल

ART & CULTURAL ACTIVITIES

Activity by Students

Save nature
Save life

ART BY KAMIL
Class - VI

USE ME

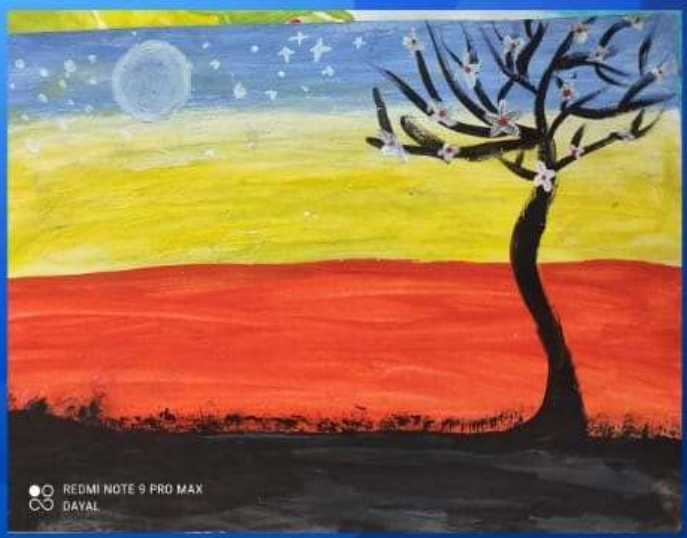

Ek Bharat Shreshtha Bharat

Stop
Child
Labour
Start
Education
REDMI NOTE 9 PRO MAX
DAYAL

REDMI NOTE 9 PRO MAX
DAYAL

SAVE
EARTH

NAME → Rudraksh Mishra
Class → 6
Roll No → 30
Nehru

SCIENCE DAY

"SAVE
WATER"
you
don't know its
true worth
until it's gone

CLASS II

CLASS III

CLASS IV

CLASS V

CLASS VI

CLASS VII

CLASS VIII

Class IX

CLASS X

हम साथ साथ हैं

केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा परिवार